



प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच - बीएए ने 28 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में 'वृक्ष - इंडियन टिम्बर लीगलटी एसेसमेंट एंड वेरिफिकेशन स्कीम' और 'रीचिंग आउट टू ओवरसीज़ बायर थ्रू बाइंग हाउसेस' पर इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया

नई दिल्ली - 28 जनवरी, 2023 - एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट एंड सोर्सिंग कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (बीएए) ने संयुक्त रूप से 28 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में 'वृक्ष - इंडियन टिम्बर लीगलटी असेसमेंट एंड वेरिफिकेशन स्कीम' और 'रीचिंग आउट टू ओवरसीज़ बायर थ्रू हाउसिंग' पर एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया।

श्री राज कुमार मल्होत्रा, अध्यक्ष - ईपीसीएच (वर्चुअली शामिल हुए) श्री रवि पासी, पूर्व अध्यक्ष ईपीसीएच और संयोजक (उत्तरी क्षेत्र); श्री डी कुमार, सदस्य सीओए - ईपीसीएच; श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच; श्री सचिन राज जैन, संयोजक, एनसीसीएफ; श्री विशाल ढींगरा, अध्यक्ष, सोर्सिंग कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (बीएए); श्री राजेश रावत, अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच और दिल्ली एनसीआर के प्रमुख निर्यातक और खरीद प्रतिनिधि उपस्थित थे - श्री राकेश कुमार, महानिदेशक ईपीसीएच ने सूचित किया गया।

श्री आर.के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच ने जीआईपीएल, सोर्सिंग कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (बीएए), खरीद प्रतिनिधियों और दिल्ली एनसीआर के प्रमुख निर्यातकों जैसी विभिन्न एजेंसियों के सभी अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज का इंटरएक्टिव सत्र निर्यातकों की सुविधा और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुपालन से संबंधित उनके मुद्दों को संबोधित करने के लिए आयोजित किया गया है। हस्तशिल्प निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच में अंतरराष्ट्रीय बाजार मानक और अनुपालन एक महत्वपूर्ण कारक बन रहे हैं। एक और पहलू जिसका लकड़ी के हस्तशिल्प निर्यातकों को ध्यान रखना चाहिए, वह लकड़ी की वैधता के संबंध में आवश्यक अनुपालन है और ईपीसीएच की 'वृक्ष - इंडियन टिम्बर लीगलटी असेसमेंट एंड वेरिफिकेशन स्कीम' जो 184 सीआईटीईएस हस्ताक्षरकर्ता देशों में स्वीकार की जाती है, का उद्देश्य निर्यातक के लिए भी ऐसा ही करना है।

श्री रवि पासी, पूर्व अध्यक्ष - ईपीसीएच और संयोजक (उत्तरी क्षेत्र) ने वर्षों से ईपीसीएच द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न उत्पादों और समाधानों पर प्रमाणन की यात्रा को साझा किया। उन्होंने आगे बताया कि मूल्य श्रृंखला में वे सभी गतिविधियां शामिल हैं जो व्यवसाय एक उत्पाद को अवधारणा से अंतिम उपयोग और उसके बाद लाने के लिए करते हैं। एक मूल्य श्रृंखला की गतिविधियों को एक फर्म के भीतर समाहित किया जा सकता है या कई फर्मों के बीच विभाजित किया जा सकता है। मूल्य श्रृंखला गतिविधियाँ वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन कर सकती हैं और एक भौगोलिक स्थान पर केंद्रित हो सकती हैं या एक बड़े क्षेत्र में फैली हुई हो सकती हैं।

एनसीसीएफ के संयोजक श्री सचिन राज जैन ने इस अवसर 'वृक्ष - भारतीय इमारती लकड़ी वैधता आकलन और सत्यापन योजना' पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार "उचित परिश्रम" या "उचित देखभाल" द्वारा लकड़ी की वैधता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने इस पर विस्तार से बताया कि कैसे वृक्ष (वीआरआईकेएसएच) मानक में शामिल कस्टडी आवश्यकताओं की श्रृंखला संगठनों की आंतरिक प्रक्रियाओं के माध्यम से मान्यता प्राप्त आपूर्ति श्रृंखला प्रतिभागियों से प्राप्त "वृक्ष" सत्यापित टिम्बर उत्पादों को सटीक रूप से ट्रैक करने की क्षमता प्रदान करेगा ताकि ग्राहकों से उन उत्पादों की कानूनी वैधता और उत्पत्ति को लेकर सटीक दावा किया जा सके। इसके अलावा, उन्होंने मौजूदा कारोबारी माहौल में सस्टेनेबिलिटी, सर्कुलर इकॉनमी, कार्बन कॉन्सिडरेशन वर्ल्ड और कार्बन नेट शून्य के महत्व पर जोर दिया। दुनिया भर की सरकारें अब प्रोत्साहन और कार्बन क्रेडिट प्रदान करके और उद्योग को सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्य को समझाकर कारखानों से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य बना रही हैं।

सोर्सिंग कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (बीएए)के अध्यक्ष श्री विशाल ढींगरा ने सूचित किया कि निर्यातक निरीक्षण, परीक्षण और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन के लिए तैयार होकर अपने मौजूदा संचालन में सुधार कर सकते हैं। ऐसा करने से निर्यातक अपनी स्थानीय, ऑनलाइन और वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि व्यापार का मौलिक कौशल सोर्सिंग, या वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा खरीद एजेंट उत्पाद आपूर्तिकर्ताओं के साथ संवाद करते हैं और पेशेवर संबंध बनाते हैं। इसके अतिरिक्त, व्यापार का उद्देश्य निर्यातकों को किसी भी उद्योग के विकास के बारे में हालिया परिवर्तनों को सूचित करना और उन्हें रणनीतिक सोर्सिंग की बारीकियों पर शिक्षित करना है।

प्रतिभागियों द्वारा वृक्ष योजना, विपणन और अनुपालन आदि से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। वक्ताओं ने सभी सवालों का जवाब दिया और निर्यातकों को समाधान प्रदान किया।

इस अवसर पर ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने सूचित किया कि ईपीसीएच दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 33253.00 करोड़ (4459.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, जिसमें बीते वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 29.49% और डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज हुई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :
श्री राकेश कुमार, महानिदेशक – ईपीसीएच –
+91- 9810697868



PRESS RELEASE

EPCH – BAA Organised an Interactive Session on ‘VRIKSH – Indian Timber Legality Assessment and Verification Scheme’ & ‘Reaching Out to Overseas Buyer Through Buying Houses’ at New Delhi on 28th January, 2023

NEW DELHI – 28th JANUARY, 2023 – The Export Promotion Council for Handicrafts & Sourcing Consultants Association (BAA) jointly organised an Interactive Session on ‘VRIKSH – Indian Timber Legality Assessment and Verification Scheme’ & ‘Reaching Out to Overseas Buyer Through Buying Houses’ at New Delhi on 28th January, 2023.

Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman – EPCH (joined virtually) Shri Ravi Passi, Past Chairman EPCH & Convener (Northern Region); Shri D kumar, Member CoA - EPCH; Shri R. K. Verma, Executive Director - EPCH; Shri Sachin Raj Jain, Convener, NCCF; Shri Vishal Dhingra, Chairman, Sourcing Consultants Association (BAA); Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director - EPCH and large number of leading exporters & buying representatives from Delhi NCR were present – informed by Shri Rakesh Kumar, Director General EPCH.

Shri R. K. Verma, Executive Director - EPCH welcomed all the officials from various agencies such as GIPL, Sourcing Consultants Association (BAA), buying representatives and the leading exporters from Delhi NCR. He informed that today’s interactive session is organized to facilitate the exporters & address their issues related to international compliances for boosting exports. International market standards and compliance are becoming a key factor in the competitiveness of Handicraft exports and access to a wide range of export opportunities. Another aspect that wooden handicraft exporters must take care of is necessary compliances with respect to timber legality and EPCH's VRIKSH - Timber legality assessment and verification scheme which is accepted in 184 CITES signatory countries, aims to do the same for the exporter.

Shri Ravi Passi, Past Chairman - EPCH & Convener (Northern Region) shared the journey of certification on various products and solution provided by the EPCH over the years. He further informed that the value chain includes all of the activities that businesses undertake to bring a product from conception to end use and beyond. A value chain's activities can be contained within a single firm or divided among several firms. Value chain activities can produce goods or services and can be concentrated in a single geographic location or dispersed across a larger area.

Shri Sachin Raj Jain, Convener, NCCF made a detailed presentation on 'VRIKSH – Indian Timber Legality Assessment and Verification Scheme' highlighting the importance of Timber Legality by “Due Diligence” or “Due Care” as per international regulations. He further explained the fulfillment of the Chain of Custody requirements included in the VRIKSH standard that will demonstrate the ability of the organizations to accurately track “Vriksh” Verified Timber products received from recognized Supply chain participants through internal processes in order to make accurate claims to their customers about the products legal origins. In addition, he emphasised the importance of sustainability, circular economy, carbon conscious world, and carbon net zero in current business environment. Governments around the world are now aiming for zero carbon emissions from factories by providing incentives and carbon credits and making industry understand the value of social responsibility.

Shri Vishal Dhingra, Chairman, Sourcing Consultants Association (BAA) informed exporters can improve their current operations by getting ready for inspection, testing, and compliance with international standards. They will be able to do this to increase their local, online, and global presence. He added that sourcing, or the process by which buying agents communicate with and build professional connections with product suppliers, is the fundamental skill of the trade. Additionally, the trade aims to inform exporters of any recent industry developments and educate them on the nuances of strategic sourcing.

Various questions pertaining to Vriksh scheme, Marketing and Compliances etc. were asked by the participants. The speakers addressed all the questions and provided solutions to the exporters.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores (US \$ 4459.76 Million) registering a growth of 29.49% in rupee term & 28.90% in dollar terms over the previous year, informed by Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH.

For more information please contact:
Shri Rakesh Kumar, Director General– EPCH:
+91- 9818272171

Hindi & English with Photos Enclosed:



PHOTO 1 & 2 – Shri Ravi Passi, Past Chairman EPCH & Convener (Northern Region); Shri D kumar, Member CoA - EPCH; Shri R. K. Verma, Executive Director - EPCH; Shri Sachin Raj Jain, Convener, NCCF; Shri Vishal Dhingra, Chairman, Sourcing Consultants Association (BAA) on the dias during an Interactive Session on 'VRIKSH – Indian Timber Legality Assessment and Verification Scheme' & 'Reaching Out to Overseas Buyer Through Buying Houses' at New Delhi on 28th January, 2023.



Photo 3 – August gathering during an Interactive Session on ‘VRIKSH – Indian Timber Legality Assessment and Verification Scheme’ & ‘Reaching Out to Overseas Buyer Through Buying Houses’ at New Delhi on 28th January, 2023.